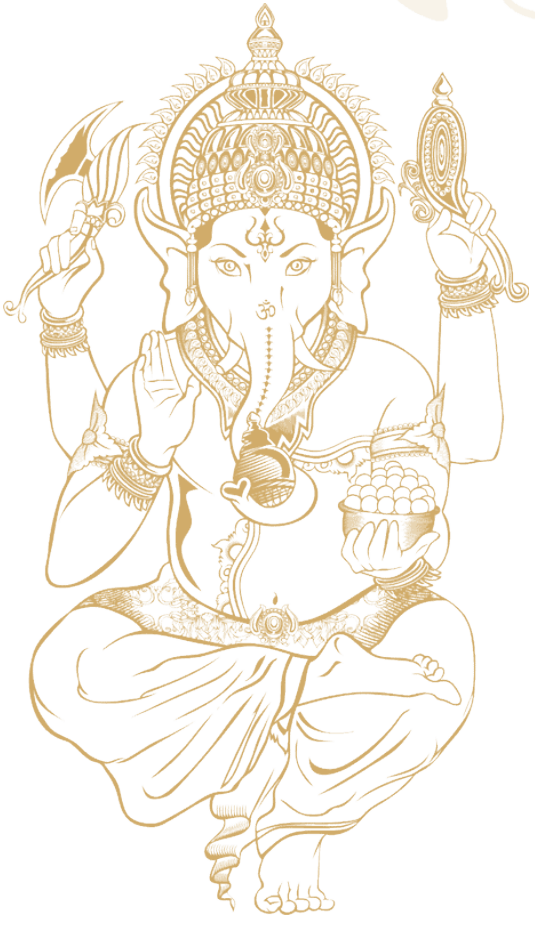

Amit

10 Jul 1986

04:00 AM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119288507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**9-10/07/1986**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:03:07 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:33:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:06 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:15 घंटे
सूर्योदय	05:34:45 घंटे
सूर्यास्त	19:29:17 घंटे
दिनमान	13:54:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:44:13 मिथुन
लग्न के अंश	01:31:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वज्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:31:20	339:02:55	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मिथु	23:44:13	00:57:14	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	सम राशि
चंद्र			कर्क	24:38:59	12:28:37	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल	व		धनु	24:05:53	00:17:27	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	व		कर्क	12:45:22	00:00:24	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			कुंभ	29:10:40	00:00:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
शुक्र			सिंह	04:20:44	01:08:26	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	10:01:16	00:02:34	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	02:22:17	00:10:28	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	02:22:17	00:10:28	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	25:36:49	00:02:04	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	10:24:08	00:01:34	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	10:52:40	00:00:11	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	15:33:39	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:01

लग्न-चलित

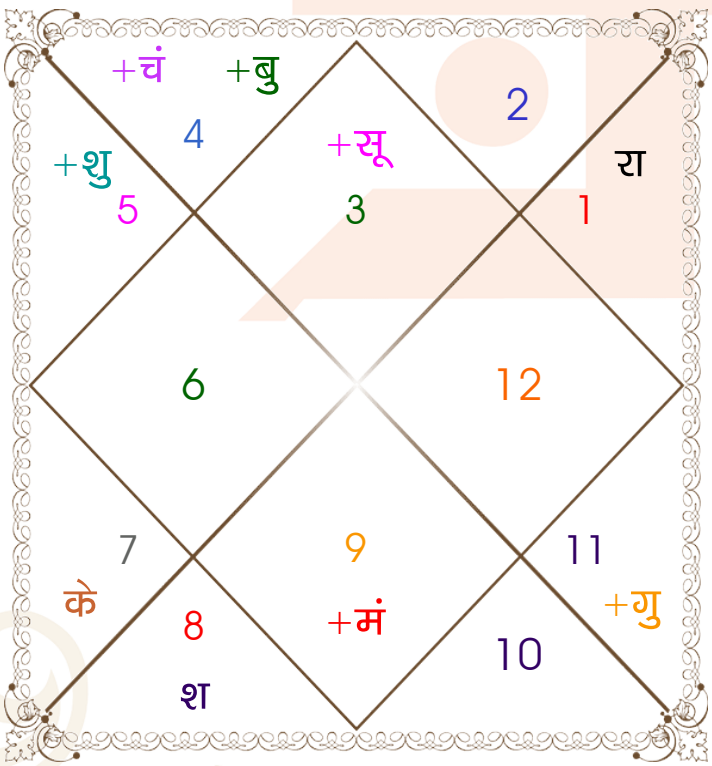

चन्द्र कुंडली

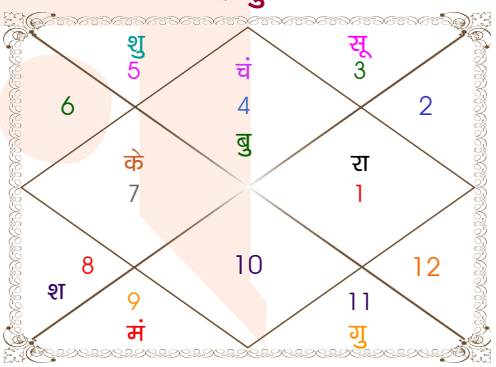

नवमांश कुंडली

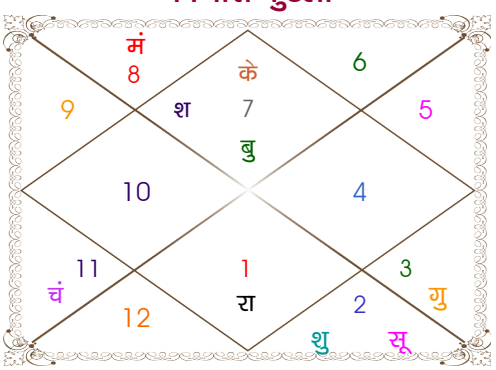

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 9 मास 26 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
10/07/1986		05/05/1993		05/05/2000		05/05/2020		05/05/2026	
05/05/1993		05/05/2000		05/05/2020		05/05/2026		05/05/2036	
	00/00/0000	केतु	01/10/1993	शुक्र	04/09/2003	सूर्य	23/08/2020	चंद्र	06/03/2027
	00/00/0000	शुक्र	01/12/1994	सूर्य	04/09/2004	चंद्र	21/02/2021	मंगल	05/10/2027
	00/00/0000	सूर्य	08/04/1995	चंद्र	05/05/2006	मंगल	29/06/2021	राहु	05/04/2029
	00/00/0000	चंद्र	07/11/1995	मंगल	06/07/2007	राहु	24/05/2022	गुरु	05/08/2030
	00/00/0000	मंगल	05/04/1996	राहु	05/07/2010	गुरु	12/03/2023	शनि	05/03/2032
	10/07/1986	राहु	23/04/1997	गुरु	05/03/2013	शनि	22/02/2024	बुध	05/08/2033
राहु	20/05/1988	गुरु	30/03/1998	शनि	05/05/2016	बुध	28/12/2024	केतु	06/03/2034
गुरु	26/08/1990	शनि	09/05/1999	बुध	06/03/2019	केतु	05/05/2025	शुक्र	04/11/2035
शनि	05/05/1993	बुध	05/05/2000	केतु	05/05/2020	शुक्र	05/05/2026	सूर्य	05/05/2036

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/05/2036		06/05/2043		05/05/2061		05/05/2077		05/05/2096	
06/05/2043		05/05/2061		05/05/2077		05/05/2096		00/00/0000	
मंगल	01/10/2036	राहु	16/01/2046	गुरु	23/06/2063	शनि	08/05/2080	बुध	02/10/2098
राहु	20/10/2037	गुरु	10/06/2048	शनि	04/01/2066	बुध	16/01/2083	केतु	29/09/2099
गुरु	26/09/2038	शनि	17/04/2051	बुध	11/04/2068	केतु	25/02/2084	शुक्र	31/07/2102
शनि	04/11/2039	बुध	04/11/2053	केतु	18/03/2069	शुक्र	27/04/2087	सूर्य	06/06/2103
बुध	01/11/2040	केतु	22/11/2054	शुक्र	17/11/2071	सूर्य	08/04/2088	चंद्र	05/11/2104
केतु	30/03/2041	शुक्र	22/11/2057	सूर्य	04/09/2072	चंद्र	07/11/2089	मंगल	02/11/2105
शुक्र	30/05/2042	सूर्य	17/10/2058	चंद्र	04/01/2074	मंगल	17/12/2090	राहु	11/07/2106
सूर्य	05/10/2042	चंद्र	17/04/2060	मंगल	11/12/2074	राहु	23/10/2093		00/00/0000
चंद्र	06/05/2043	मंगल	05/05/2061	राहु	05/05/2077	गुरु	05/05/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 9 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।